

उ मराठी भाषींनी देशों को अभावद वीथण 'मोट' के नाम से
लोचिनाम के राजा सिंगोपुल II ने 1876 ई. में
भाषीयन जिहा मोट मंत्रालय संस्था की स्थापना
में यूरोपीय देशों के साथ भाषी विवादों का शांतिपूर्ण
राजे ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की (बंजर) की के चुनाव सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की (स्थापना) हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूमी के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूमी को आपा-भाँट में जाँको के जाँको भाषा में ही नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्णन

क्रांत ⇒ आत्मीयता, मोलका, धूमिल, भाइवी नील भादि
इलेक्ट्रॉन ⇒ मिला, मिला, मिला, मिला, मिला

इलेक्ट्रॉन → मिल, धुन, दाहिना भागीना, रोंडिशिया के मा, नाइजीरिया

અમંતી = ~~૦૧૧૧૧~~, ~~૦૧૧૧૧~~, ૫૦૦૦૫, ૦૧૧૧૧
૦૧૧૧૧, ૦૧૧૧૧

कुल्लुवाल = कुल्लुवाल, पूवी मोजाविक